सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': परिचय और प्रमुख रचनाएँ

प्रश्न 1 (आसान). निराला जी का पारिवारिक गाँव किस राज्य में था?
उत्तर – उत्तर प्रदेश

प्रश्न 2 (आसान). निराला जी की किन्हीं दो गद्य रचनाओं के नाम बताओ।
उत्तर – चतुरी चमार, प्रभावती

प्रश्न 3 (मध्यम). सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का निधन किस शहर में हुआ था और कब?
उत्तर – इलाहाबाद में, सन् 1961 में।

प्रश्न 4 (कठिन). निराला जी ने किन दो पत्रिकाओं का संपादन भी किया था?
उत्तर – समन्वय और मतवाला।

» निराला का काव्य व्यक्तित्व और शैली

प्रश्न 5 (आसान). निराला जी की कविताओं में कौन से दो विपरीत भाव साथ-साथ मिलते हैं?
उत्तर – ओज (जोश) और माधुर्य (मिठास)।

प्रश्न 6 (आसान). निराला जी ने कविता में किस प्रकार का छंद प्रयोग किया जिसके लिए वे प्रसिद्ध हुए?
उत्तर – मुक्त छंद।

प्रश्न 7 (मध्यम). निराला जी के 'काव्य व्यक्तित्व' की सबसे बड़ी पहचान क्या थी, जो उन्हें दूसरों से अलग करती थी?
उत्तर – उनकी विद्रोही प्रवृत्ति, संघर्ष और जीवन के द्वंद्व को कविता में उतारना।

प्रश्न 8 (कठिन). निराला जी ने मुक्त छंद का प्रयोग केवल काव्य-रूप बदलने के लिए नहीं किया, बल्कि इसके पीछे एक गहरा उद्देश्य था। वह उद्देश्य क्या था?
उत्तर – उनका उद्देश्य केवल छंद के बंधनों को तोड़ना नहीं था, बल्कि काव्य विषय और युग की सीमाओं को तोड़कर कविता को अधिक व्यापक और यथार्थवादी बनाना था।

» भाषागत विविधता: तत्सम से देशी शब्दों तक

प्रश्न 9 (आसान). निम्नलिखित में से तत्सम शब्द पहचानो: 'पानी, जल, खेत, आग'
उत्तर – जल

प्रश्न 10 (आसान). निम्नलिखित में से देशी शब्द पहचानो: 'सूर्य, सूरज, रात्रि, रात'
उत्तर – सूरज, रात

प्रश्न 11 (मध्यम). निराला की 'कुकुरमुत्ता' कविता की भाषा शैली में किस प्रकार के शब्दों की प्रधानता है - तत्सम या देशी?
उत्तर – देशी

प्रश्न 12 (कठिन). क्या निराला केवल तत्सम या केवल देशी शब्दों का प्रयोग करते थे? अपने उत्तर का कारण बताओ।
उत्तर – नहीं, निराला जी दोनों तरह के शब्दों का प्रयोग करते थे। उनकी कविता में 'तत्सम सामासिक पदावली' और 'देशी टटवेफ शब्दों का सौंधापन' दोनों मिलते हैं, जो उनकी भाषागत विविधता को दर्शाता है।

» निराला और 'बादल राग' का संदर्भ

प्रश्न 13 (आसान). निराला को वर्षा ऋतु क्यों पसंद थी?
उत्तर – उन्हें बादलों में सृजन और ध्वंस दोनों की शक्ति दिखती थी।

प्रश्न 14 (आसान). निराला का व्यक्तित्व किस प्राकृतिक तत्व से मिलता-जुलता था?
उत्तर – बादलों से।

प्रश्न 15 (मध्यम). 'बादल राग' कविता में बादल किसान और मज़दूरों के लिए किसका प्रतीक हैं?
उत्तर – क्रांति और बदलाव का।

प्रश्न 16 (कठिन). कवि के 'उत्कट आत्मशक्ति और अद्भुत जिजीविषा' का बादलों से क्या संबंध है?
उत्तर – जिस तरह बादल कठिनाइयों से लड़कर नया जीवन लाते हैं, वैसे ही निराला जी ने भी विरोध झेलकर अपनी आत्मशक्ति और जीने की इच्छा को बनाए रखा, जो उन्हें बादलों से जोड़ता है।

» 'बादल राग' का केंद्रीय विषय: क्रांति और वंचितों की पक्षधरता

प्रश्न 17 (आसान). कविता में बादल किसके प्रतीक हैं?
उत्तर – क्रांति और बदलाव के।

प्रश्न 18 (आसान). 'लघुमानव' शब्द से कवि का क्या तात्पर्य है?
उत्तर – आम आदमी, गरीब किसान और मज़दूर।

प्रश्न 19 (मध्यम). बादल राग कविता में 'वंचितों की पक्षधरता' कैसे व्यक्त हुई है?
उत्तर – कविता बादलों को गरीबों और शोषितों के लिए आशा और बदलाव का प्रतीक मानती है, जिससे उनके दुख दूर हो सकें।

प्रश्न 20 (कठिन). कवि बादलों को 'क्रांति के अग्रदूत' क्यों कहते हैं? विस्तार से समझाइए।
उत्तर – कवि बादलों को क्रांति के अग्रदूत इसलिए कहते हैं क्योंकि वे सिर्फ़ बारिश नहीं लाते, बल्कि समाज में व्याप्त अन्याय, शोषण और विषमता को मिटाने की शक्ति रखते हैं। जिस तरह बादल गरज कर ज़मीन पर पानी बरसाते हैं और प्यासी धरती को नया जीवन देते हैं, उसी तरह वे सामाजिक बदलाव लाकर 'लघुमानव' के जीवन में नई उम्मीद और खुशहाली लाते हैं। वे अमीरों के घमंड और सत्ता को चुनौती देते हुए गरीबों के पक्ष में खड़े होते हैं।

» 'बादल राग' में प्रकृति और जगत में परिवर्तन

प्रश्न 21 (आसान). कविता में बादलों के आने से 'सुप्त अंकुर' पर क्या असर होता है?
उत्तर – सुप्त अंकुर आशाओं से सिर उठाकर नवजीवन की प्रतीक्षा करते हैं।

प्रश्न 22 (आसान). 'दग्ध हृदय' से कवि का क्या तात्पर्य है?
उत्तर – गर्मी और सूखे से तपी हुई, जली हुई धरती और उस पर रहने वाले लोगों की पीड़ा।

प्रश्न 23 (मध्यम). छोटे पौधे 'विप्लव-रव से शोभा पाते हैं' – इसका क्या अर्थ है?
उत्तर – क्रांति (विप्लव-रव) के बाद ही नए, छोटे पौधे पनपते हैं और खिलखिलाकर शोभा बढ़ाते हैं, क्योंकि बड़े और पुराने पेड़ अक्सर नष्ट हो जाते हैं।

प्रश्न 24 (कठिन). कवि ने 'बादल राग' में बादलों के आने के बाद प्रकृति और जगत में होने वाले परिवर्तनों को 'रण-तरी' और 'भेरी-गर्जन' जैसे शब्दों से क्यों जोड़ा है?
उत्तर – कवि बादलों को केवल जल बरसाने वाला नहीं, बल्कि क्रांति का अग्रदूत मानते हैं। 'रण-तरी' (युद्ध की नौका) और 'भेरी-गर्जन' (युद्ध के नगाड़े) यह दिखाते हैं कि बादलों का आगमन सिर्फ प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली बदलाव या संघर्ष का संकेत है जो पुराने को मिटाकर नए जीवन की शुरुआत करता है, खासकर गरीबों और किसानों के लिए।

» 'बादल राग' कविता की सजल व्याख्या

प्रश्न 25 (आसान). 'अस्थिर सुख' से कवि का क्या तात्पर्य है?
उत्तर – धनी लोगों के ऐसे सुख जो क्षणभंगुर और अस्थायी होते हैं, कभी भी खत्म हो सकते हैं।

प्रश्न 26 (आसान). कविता में 'विप्लव-रव' का क्या अर्थ है?
उत्तर – क्रांति की गर्जना या विनाशकारी गर्जना।

प्रश्न 27 (मध्यम). 'विप्लव-रव से छोटे ही हैं शोभा पाते' - इस पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट करें।
उत्तर – क्रांति या बड़े बदलाव से सिर्फ छोटे लोग, गरीब, मज़दूर या किसान ही लाभान्वित होते हैं। उनका जीवन बेहतर होता है, जबकि बड़े और धनी लोग डरते हैं।

प्रश्न 28 (कठिन). 'अट्टालिका नहीं है रे आतंक-भवन' - इस पंक्ति में कवि ने अट्टालिकाओं को 'आतंक-भवन' क्यों कहा है? स्पष्ट करें।
उत्तर – कवि ने अट्टालिकाओं (अमीरों के महल) को आतंक-भवन इसलिए कहा है क्योंकि ये गरीबों के शोषण पर बनी हैं। इनमें रहने वाले धनी लोग हमेशा क्रांति के डर में जीते हैं। इन भवनों को देखकर गरीबों के मन में गुस्सा और आक्रोश पैदा होता है, इसलिए ये इमारतें अमीरों के लिए ही एक तरह का डर, या आतंक का घर बन जाती हैं, जहाँ वे सुरक्षित महसूस नहीं कर पाते, क्रांति का डर उन्हें अंदर से खोखला करता है।

» कविता में मानवीकरण और रूपक अलंकार

प्रश्न 29 (आसान). 'जगमग तारे आँखें मटका रहे थे।' - इसमें कौन सा अलंकार है?
उत्तर – मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 30 (आसान). 'जीवन एक युद्ध है।' - इसमें कौन सा अलंकार है?
उत्तर – रूपक अलंकार

प्रश्न 31 (मध्यम). 'बादल राग' कविता की किस पंक्ति में रूपक अलंकार का प्रयोग हुआ है?
उत्तर – 'अस्थिर सुख पर दुःख की छाया' (सुख को दुःख की छाया का रूप दिया गया है)

प्रश्न 32 (कठिन). 'गर्जन से सजग सुप्त अंकुर' - इसमें कौन सा अलंकार है और क्यों?
उत्तर – मानवीकरण अलंकार है क्योंकि 'अंकुर' (जो बेजान हैं) को 'सजग' (जागरूक होना) दिखाया गया है, जो कि मानवीय विशेषता है.

» बादल के लिए संबोधनों का औचित्य और विशेषणों का प्रयोग

प्रश्न 33 (आसान). कविता में बादल के लिए 'अरे वर्ष के हर्ष!' संबोधन का क्या अर्थ है?
उत्तर – इसका अर्थ है 'हे बारिश की खुशी!' कवि बादल को वर्ष की खुशी का कारण मानते हैं क्योंकि वह बारिश से हरियाली और प्रसन्नता लाता है।

प्रश्न 34 (आसान). 'अस्थिर सुख' में 'अस्थिर' विशेषण सुख के बारे में क्या बताता है?
उत्तर – 'अस्थिर' विशेषण बताता है कि सुख हमेशा एक जैसा नहीं रहता, वह आता-जाता रहता है, क्षणभंगुर है।

प्रश्न 35 (मध्यम). कवि बादल को 'ऐ निर्बंध!' और 'ऐ स्वच्छंद!' क्यों कहता है? इन संबोधनों का औचित्य समझाइए।
उत्तर – निराला जी बादल को 'ऐ निर्बंध!' और 'ऐ स्वच्छंद!' इसलिए कहते हैं क्योंकि बादल किसी बंधन में नहीं रहता, वह अपनी इच्छा से कहीं भी विचरण करता है और अपनी मर्जी से बरसता है। वह किसी नियम या सीमा में बंधा नहीं है, ठीक वैसे ही जैसे एक क्रांतिकारी किसी सत्ता के अधीन नहीं होता।

प्रश्न 36 (कठिन). कविता में 'ऐ अनंत के चंचल शिशु सुकुमार!' संबोधन बादल की किन विशेषताओं को उजागर करता है और इसका प्रतीकात्मक महत्व क्या है?
उत्तर – यह संबोधन बादल के चंचल और कोमल रूप को दर्शाता है, जैसे एक शिशु। 'अनंत' यानी आकाश की विशालता से जन्मा यह बादल शिशु रूप में दिखता है, जो चंचलता से इधर-उधर घूमता है। प्रतीकात्मक रूप से, यह बताता है कि भले ही बादल विशाल और शक्तिशाली हों, वे प्रकृति के एक छोटे, गतिशील अंश भी हैं, जो निरंतर बदलते रहते हैं और जीवन की कोमलता को भी दर्शाते हैं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी का जन्म कहाँ और कब हुआ था? उनकी दो प्रमुख काव्य रचनाओं के नाम बताओ।

› सबसे पहले हमें जन्म स्थान और समय याद करना है। उनका जन्म सन् 1899 में बंगाल के महिषादल में हुआ था।

› फिर उनकी काव्य रचनाओं पर ध्यान देना है। उनकी कई कविता संग्रह हैं, जैसे 'अनामिका', 'परिमल', 'कुकुरमुत्ता' आदि।

› इन्हीं में से कोई दो नाम लिख दो।

उत्तर – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी का जन्म सन् 1899 में महिषादल, बंगाल में हुआ था। उनकी दो प्रमुख काव्य रचनाएँ 'अनामिका' और 'परिमल' हैं।

उदाहरण 2. निराला जी को 'क्रांति का कवि' क्यों कहा जाता है? उनकी कविताओं में यह भाव कैसे दिखता है?

› देखो, निराला जी को 'क्रांति का कवि' इसलिए कहते हैं क्योंकि उन्होंने अपनी कविताओं के ज़रिए समाज में बदलाव लाने की कोशिश की।

› उन्होंने पुरानी रूढ़ियों, यानी पुरानी सोच और परंपराओं पर सवाल उठाए।

› जैसे, 'भिक्षुक' कविता में उन्होंने गरीब और अभावग्रस्त लोगों के दुख को दिखाया, और 'तोड़ती पत्थर' में एक मज़दूरनी के संघर्ष को, जो समाज की कठोरता पर एक करारा प्रहार था।

› उनकी भाषा में भी एक 'ओज' (जोश) होता था, जो पाठकों को सोचने पर मजबूर करता था।

› साथ ही, उन्होंने कविता लिखने के पुराने नियम, यानी छंद के बंधन को तोड़कर 'मुक्त छंद' का इस्तेमाल किया, यह भी अपने आप में एक साहित्यिक क्रांति थी।

उत्तर – तो बच्चों, निराला जी ने अपनी कविताओं में सामाजिक रूढ़ियों और काव्य-बंधनों को तोड़कर, वंचितों की आवाज़ बनकर और नए प्रयोग करके 'क्रांति के कवि' का पद प्राप्त किया।

उदाहरण 3. निराला की कविता 'बादल राग' की इन पंक्तियों में से तत्सम और देशी शब्दों को पहचानिए: 'तिरती है समीर-सागर पर / अस्थिर सुख पर दुख की छाया'

› पहले पंक्ति को ध्यान से पढ़ें: 'तिरती है समीर-सागर पर'

› शब्दों को अलग-अलग करें: 'तिरती', 'है', 'समीर', 'सागर', 'पर'

› 'समीर' का अर्थ है हवा। यह संस्कृत से आया हुआ शब्द है, इसलिए यह तत्सम है।

› 'सागर' का अर्थ है समुद्र। यह भी संस्कृत से आया है, इसलिए यह तत्सम है।

› अब दूसरी पंक्ति: 'अस्थिर सुख पर दुख की छाया'

› शब्दों को अलग-अलग करें: 'अस्थिर', 'सुख', 'पर', 'दुख', 'की', 'छाया'

› 'अस्थिर' (जो स्थिर न हो), 'सुख', 'दुख', 'छाया' (परछाई) - ये सभी संस्कृत मूल के हैं, इसलिए तत्सम हैं।

› 'तिरती है', 'पर', 'की' - ये आम बोलचाल के शब्द हैं, जो देशी की श्रेणी में आ सकते हैं, लेकिन यहाँ मुख्य रूप से तत्सम शब्दों पर ध्यान देना है। इन पंक्तियों में तत्सम शब्द ज़्यादा हैं।

उत्तर – तत्सम शब्द: समीर, सागर, अस्थिर, सुख, दुख, छाया।

उदाहरण 4. निराला को वर्षा ऋतु और बादल क्यों प्रिय थे?

› पहला कारण: निराला जी को बादलों में 'सृजन' (नया बनाना) और 'ध्वंस' (पुराना खत्म करना) दोनों की ताकत एक साथ दिखती थी।

› दूसरा कारण: निराला जी का अपना व्यक्तित्व भी बादलों के स्वभाव के करीब था - वे विरोध झेलकर भी शक्तिशाली रहे और कभी हार नहीं मानी।

› तीसरा कारण: बादल किसान और मज़दूरों के लिए खुशहाली और बदलाव (क्रांति) का प्रतीक भी थे, जो निराला जी को बहुत पसंद था।

उत्तर – निराला जी को वर्षा ऋतु और बादल इसलिए प्रिय थे क्योंकि बादलों में सृजन और ध्वंस की दोहरी शक्ति होती है, उनका अपना व्यक्तित्व बादलों के विद्रोही और अडिग स्वभाव से मेल खाता था, और बादल उनके लिए क्रांति व नव-निर्माण के अग्रदूत थे।

उदाहरण 5. कविता में 'अट्टालिका नहीं है रे' पंक्ति का क्या अर्थ है और यह किससे संबंधित है?

› पहले पंक्ति का शाब्दिक अर्थ समझते हैं: 'अट्टालिका' मतलब ऊँची इमारतें या महल। 'नहीं है रे' मतलब ये तुम्हारी नहीं हैं।

› अब इसे केंद्रीय विषय से जोड़ते हैं: कवि कहता है कि ये बड़े-बड़े महल, बड़ी-बड़ी इमारतें, ये उन धनवानों की हैं जो गरीबों का शोषण करते हैं।

› क्रांति के बाद, ये 'अट्टालिकाएं' या तो ढह जाएंगी, या फिर इनकी शक्ति कम हो जाएगी, क्योंकि क्रांति हमेशा वंचितों के पक्ष में खड़ी होती है और अमीरों के अहंकार को तोड़ती है।

› यानी, यह पंक्ति सीधे तौर पर अमीर और गरीब के बीच के अंतर को दिखाती है और बताती है कि क्रांति अमीरों के गढ़ को हिला देगी।

उत्तर – 'अट्टालिका नहीं है रे' पंक्ति का अर्थ है कि धनवानों की ऊँची इमारतें और उनका घमंड क्रांति के सामने टिक नहीं पाएगा। यह पंक्ति क्रांति द्वारा वंचितों की पक्षधरता और धनिकों के विरुद्ध आक्रोश को दर्शाती है।

उदाहरण 6. कविता के अनुसार, बादल आने से पृथ्वी के हृदय में किस प्रकार का परिवर्तन होता है?

› सबसे पहले हमें समझना होगा कि कविता ने पृथ्वी के हृदय को 'दग्ध' कहा है, जिसका मतलब है तपा हुआ या जला हुआ।

› यह 'दग्ध हृदय' भीषण गर्मी, सूखे और अकाल की चिंता को दर्शाता है।

› जब बादल आते हैं, तो वे अपने साथ 'विप्लव की प्लावित माया' लाते हैं – यानी अपने गर्जन और वर्षा से इस दग्ध हृदय को शांत करते हैं।

› गर्मी से झुलसी धरती को ठंडक मिलती है और नवजीवन के अंकुर फूटने की आशा जगती है।

› तो, परिवर्तन यह है कि बादलों के आगमन से पृथ्वी का तपा हुआ हृदय शांत होता है और नई आशा व हरियाली का संचार होता है।

उत्तर – बादलों के आगमन से पृथ्वी का 'दग्ध हृदय' (तपा हुआ, चिंताग्रस्त मन) शांत हो जाता है और उसमें नवजीवन की आशा व हरियाली का संचार होता है।

उदाहरण 7. पंक्ति का अर्थ समझाएँ: 'अस्थिर सुख पर दुख की छाया, जग के दग्ध हृदय पर निर्दय विप्लव की प्लावित माया।'

› सबसे पहले, 'अस्थिर सुख' का मतलब समझो। यह उन धनी और अमीर लोगों के सुख की बात है जो कभी भी छिन सकते हैं, जैसे पानी में तैरती कोई चीज़।

› फिर, 'दुख की छाया' का अर्थ है, इन अमीरों के सुख पर हमेशा एक डर मंडराता रहता है कि कहीं उनका सुख खत्म न हो जाए, या कोई क्रांति आ जाए।

› अब, 'जग के दग्ध हृदय पर' का मतलब है दुनिया के जले हुए दिलों पर, यानी उन गरीब और शोषित लोगों के दिलों पर जो दुख और पीड़ा से भरे हैं।

› आखिर में, 'निर्दय विप्लव की प्लावित माया' का मतलब है बादलों का गर्जन या क्रांति, जो इन दुखी लोगों के लिए उम्मीद की बाढ़ लाती है, लेकिन अमीरों के लिए यह निर्दयी लगता है, क्योंकि यह उनकी माया (धन-दौलत) को बहा ले जाने वाली होती है।

उत्तर – तो इस पंक्ति का पूरा अर्थ यह है कि अमीर लोगों का सुख अस्थायी होता है और उस पर हमेशा क्रांति के आने का डर मंडराता रहता है। वहीं, दुनिया के दुखी और पीड़ित लोगों के लिए, यह क्रांति एक नई आशा और जीवन का संदेश लाती है, जो उनकी सारी पीड़ा को धो देती है।

उदाहरण 8. कविता 'बादल राग' से एक ऐसा उदाहरण पहचानें जहाँ बादलों का मानवीकरण किया गया हो.

› सबसे पहले, कविता की उन पंक्तियों को पढ़ें जहाँ बादलों की बात हो रही है.

› अब सोचिए, क्या बादल यहाँ कोई ऐसा काम कर रहे हैं जो असल में इंसान करते हैं?

› जैसे कविता में एक पंक्ति है: 'ऐ विप्लव के वीर!'

› यहाँ 'वीर' शब्द इंसानों के लिए इस्तेमाल होता है, जो बहादुर होते हैं, लड़ते हैं.

› बादलों को 'वीर' कहकर उन्हें इंसानी विशेषता दी गई है.

उत्तर – तो यहाँ 'ऐ विप्लव के वीर!' में मानवीकरण अलंकार है, क्योंकि बादलों को वीर की तरह दिखाया गया है.

उदाहरण 9. कविता में 'ऐ विप्लव के वीर!' और 'ऐ जीवन के पारावार!' संबोधनों का औचित्य समझाइए।

› पहला संबोधन है 'ऐ विप्लव के वीर!'। यहाँ 'विप्लव' का अर्थ है क्रांति या बड़ा बदलाव। कवि बादल को 'वीर' इसलिए कहते हैं क्योंकि बादल मूसलाधार बारिश करके गर्मी को खत्म करता है, पुराने को हटाकर नया जीवन लाता है। यह एक योद्धा की तरह संघर्ष करता है और समाज में परिवर्तन लाता है।

› दूसरा संबोधन है 'ऐ जीवन के पारावार!'। 'पारावार' का अर्थ है सागर या अथाह जलराशि। बादल ही बारिश के रूप में धरती पर जल लाता है, जिससे फसलें उगती हैं, प्यास बुझती है और पूरी प्रकृति में जीवन का संचार होता है। इसलिए वह जीवन का स्रोत है, जीवन का सागर है।

उत्तर – तो इन संबोधनों का औचित्य यह है कि कवि बादलों के विनाशकारी (क्रांति लाने वाले) और जीवनदायी दोनों रूपों को स्पष्ट करते हैं, जिससे उनका महत्व और भूमिका उजागर होती है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• निराला जी के जन्म स्थान, निधन और प्रमुख रचनाओं से संबंधित प्रश्न बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर एक या दो नंबर के लिए आते हैं, इसलिए इन्हें अच्छे से याद कर लेना।

• निराला जी के काव्य व्यक्तित्व पर अक्सर सीधा सवाल आता है, इसलिए उनके क्रांतिकारी स्वभाव, ओज और माधुर्य के द्वंद्व, और मुक्त छंद में उनके योगदान को अच्छे से समझ लेना। ये बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत ज़रूरी है।

• निराला की भाषा शैली पर प्रश्न अक्सर आते हैं। उनकी कविताओं के उदाहरण देकर तत्सम और देशी शब्दों का अंतर स्पष्ट करना ज़रूरी है।

• निराला के 'बादल राग' के संदर्भ में बादलों के प्रतीकात्मक अर्थ (जैसे क्रांति, नव-निर्माण) को स्पष्ट रूप से समझाना बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक दिलाता है।

• इस कविता से व्याख्या वाले प्रश्न ज़रूर आते हैं। हर पंक्ति में छिपे 'प्रतीकात्मक अर्थ' को समझना और उसे अपनी भाषा में लिखना बहुत ज़रूरी है।

• बोर्ड परीक्षा में अक्सर पंक्तियाँ देकर अलंकार पहचानना या उदाहरण लिखने को आता है, इसलिए हर पंक्ति को ध्यान से समझें.

• बोर्ड परीक्षा में, संबोधनों और विशेषणों का अर्थ बताने के साथ-साथ उनका औचित्य (कवि ने क्यों प्रयोग किया) और उनसे कविता के अर्थ में आया 'विशेष प्रभाव' लिखना बहुत महत्वपूर्ण है।

एक नज़र में रिवीज़न

› निराला: जन्म 1899 बंगाल, पारिवारिक गाँव उन्नाव, प्रमुख रचनाएँ-अनामिका, कुकुरमुत्ता।

› निराला: विद्रोही व्यक्तित्व, ओज-माधुर्य द्वंद्व, मुक्त छंद के प्रणेता।

› निराला: तत्सम (संस्कृतनिष्ठ) और देशी (आम बोलचाल) शब्दों का विविध प्रयोग।

› निराला को बादल में सृजन-ध्वंस, आत्मशक्ति, क्रांति का प्रतीक दिखा।

› बादल राग: क्रांति, नवजीवन, अस्थिर सुख पर दुख की छाया।

› मानवीकरण: प्रकृति को मानव जैसा; रूपक: उपमेय को उपमान का रूप.

› बादल के संबोधन: क्रांति/जीवन प्रतीक; विशेषण: अर्थ गहराई/प्रभाव.